शिक्षा मंत्रालय

उच्चतर शिक्षा विभाग

मंत्रिमंडल के लिए जुलाई, 2024 माह का मासिक सारांश:

माह जुलाई, 2024 के दौरान लिए गए महत्वपूर्ण नीतिगत निर्णय और प्रमुख उपलब्धियाँ

(i) अखिल भारतीय शिक्षा समागम 2024 (एबीएसएस 2024) एनईपी 2020 के कार्यान्वयन की चौथी वर्षगांठ के साथ दिनांक 29.07.2024 को मानेकशॉ सेंटर, नई दिल्ली में मनाया गया। समागम का उद्घाटन माननीय शिक्षा राज्य मंत्रियों द्वारा किया गया। कार्यक्रम के दौरान माननीय मंत्री ने कई पहलों का शुभारंभ किया जिसमें अन्य बातों के साथ-साथ स्नातक योग्यता व व्यावसायिक दक्षताएं; चार पुस्तकें और व्याख्यान नोट्स शामिल थे, जिनका उद्देश्य छात्रों और शिक्षकों आदि के बीच भारतीय ज्ञान प्रणाली (आईकेएस) को बढ़ावा देना है।

स्कूल और उच्च शिक्षा हेतु छह विषयगत सत्र आयोजित किए गए। उच्च शिक्षा के विषयगत सत्र में शिक्षा पाठ्यक्रम में स्थिरता का महत्व, नौकरी की संभावनाएं, उद्योग अकादमिक सहयोग, गुणवत्ता बढ़ाने में रैंकिंग और प्रत्यायन की भूमिका के माध्यम से एसटीईएम को बढ़ावा देने और जीईआर को बढ़ाने में उच्च शिक्षा संस्थानों की भूमिका शामिल थी। विषयगत सत्र शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण विषयों और उभरते रुझानों पर चर्चा करने के उद्देश्य से आयोजित किए गए थे। इसमें स्कूल और उच्च शिक्षा क्षेत्र को शामिल किया गया, जिसमें राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों के विभिन्न हितधारकों, कुलपतियों/निदेशकों/विश्वविद्यालयों/उच्च शिक्षा संस्थानों के प्रमुखों, स्कूल प्रमुखों ने भाग लिया। राज्यों/विश्वविद्यालयों/संगठनों की सर्वोत्तम प्रथाओं को सभी प्रतिभागियों के साथ उनके संबंधित क्षेत्रों में बेहतर कार्यान्वयन हेतु साझा किया गया।

(ii) माननीय शिक्षा मंत्री द्वारा राष्ट्रीय शिक्षुता और प्रशिक्षण योजना (एनएटीएस) 2.0 पोर्टल का शुभारंभ किया गया और दिनांक 30.07.2024 को प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) मोड के माध्यम से कार्यस्थल पर प्रशिक्षण हेतु युवा स्नातकों और डिप्लोमा धारकों को ₹100 करोड़ का वजीफा वितरित किया गया। एनएटीएस पोर्टल 2.0 शिक्षुता को लोकतांत्रिक बनाने, कौशल अंतर को कम करने, युवाओं की आकांक्षाओं को पूरा करने और उन्हें भविष्य के लिए तैयार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास है। एनएटीएस 2.0 को छात्र पंजीकरण, रिक्तियों के विज्ञापन, छात्र आवेदन, अनुबंध तैयार करने, प्रमाणन, रिपोर्टिंग के साथ-साथ डीबीटी के माध्यम से वजीफा वितरण जैसी शिक्षुता सम्पूर्णचक्र गतिविधियों का प्रबंधन करने के लिए वन-स्टॉप समाधान के रूप में तैयार किया गया है। प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) के माध्यम से वजीफे का भुगतान भी योजना के सभी लाभार्थियों को वजीफे में सरकार का हिस्सा प्रदान करने के लिए इस प्रणाली के उपयोग को बढ़ाने के उद्देश्य से शुरू किया गया था। कार्यक्रम के बाद दो पैनल चर्चाएं आयोजित की गईं, जिनमें शिक्षुता का भविष्य - शिक्षुता अंतर्निहित डिग्री कार्यक्रम, सभी शिक्षुता हेतु क्रेडिट, उद्योग, उच्च शिक्षा सहयोग और डीबीटी के लिए प्रौद्योगिकी का लाभ उठाना तथा ई-गवर्नेंस को सुदृढ़ करना शामिल था।

(iii) उच्च शिक्षा हेतु कुलपतियों के लिए भारतीय भाषा में पाठ्यपुस्तकों के लेखन संबंधी एक दिवसीय कार्यशाला का उद्घाटन दिनांक 16.07.2024 को नई दिल्ली में किया गया, जिसका आयोजन यूजीसी और भारतीय भाषा समिति (बीबीएस) द्वारा संयुक्त रूप से किया गया था। तीन महत्वपूर्ण

परियोजनाओं का शुभारंभ किया गया, जिनमें अस्मिता (अनुवाद और अकादमिक लेखन के माध्यम से भारतीय भाषाओं में अध्ययन सामग्री का संवर्धन), बहुभाषा शब्दकोष और वास्तविक समय अनुवाद वास्तुकला शामिल हैं; जिनके निर्माण में एनईटीएफ और बीबीएस प्रमुख भूमिका निभाएंगे। बहुभाषा शब्दकोष बहुभाषी शब्दकोशों का एक विशाल भंडार बनाने की दिशा में एक व्यापक पहल होगी। वास्तविक समय अनुवाद वास्तुकला भारतीय भाषा में वास्तविक समय अनुवाद क्षमताओं के संवर्धन हेतु एक तकनीकी रूपरेखा के निर्माण में सुविधा प्रदान करेगी।

(iv) माननीय शिक्षा मंत्री की उपस्थिति में सभी के लाभ के लिए, विशेष रूप से वैश्विक दक्षिण के लाभ हेतु अटल नवाचार मिशन (एआईएम) और संयुक्त राष्ट्र की एक एजेंसी - विश्व बौद्धिक संपदा संगठन (डब्ल्यूआईपीओ) के बीच नवाचार, उद्यमिता और बौद्धिक संपदा कार्यक्रम आयोजित करने के लिए आशय पत्र (एलओआई) पर हस्ताक्षर किए गए। आशय पत्र पर हस्ताक्षर करने के साथ, डब्ल्यूआईपीओ और एआईएम दोनों ने भारत के नवाचार मॉडल को अन्य देशों में ले जाने के लिए कार्यक्रमों की संरचना पर संयुक्त रूप से काम करने की इच्छा व्यक्त की। यह सहयोग विभिन्न आईपी प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण कार्यक्रमों के डिजाइन और कार्यान्वयन पर ध्यान केंद्रित करेगा, जिसमें पारिस्थितिकी तंत्र की विशिष्ट आवश्यकताओं को ध्यान में रखा जाएगा और लक्षित लाभार्थियों की प्रारंभिक आवश्यकताओं का आकलन किया जाएगा। एआईएम और डब्ल्यूआईपीओ संयुक्त रूप से विभिन्न हितधारकों में बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर) की समझ बढ़ाने, विकास और आर्थिक वृद्धि में इसके महत्व, नवाचार, रचनात्मकता और बौद्धिक संपदा (आईपी) के प्रशिक्षकों का एक नेटवर्क स्थापित करने और लक्षित लाभार्थियों और शिक्षार्थियों को नवाचार और रचनात्मकता के सिद्धांतों से परिचित कराने पर ध्यान केंद्रित करेंगे।

(v) केंद्रीय वित्त पोषित 34 संस्थानों (सीएफआई) के संकायों की क्षमता निर्माण हेतु दिनांक 10.07.2024 और 26.07.2024 को 'उच्च शिक्षण संस्थानों में सकारात्मक मानसिक स्वास्थ्य, लचीलापन और कल्याण को बढ़ावा देने के लिए एकीकृत दृष्टिकोण' के तहत सत्र आयोजित किए गए।

(vi) अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी और इसके अनुप्रयोग के प्रति देश के युवाओं को प्रेरित करने व भागीदार बनाने के उद्देश्य से दिनांक 23 अगस्त, 2024 को प्रथम राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस के अवसर पर अखिल भारतीय समारोह आयोजित करने से संबंधित मामले पर चर्चा करने के लिए यूजीसी के अध्यक्ष, एआईसीटीई के अध्यक्ष, कुलपतियों, निदेशकों और केंद्रीय विश्वविद्यालयों, आईआईटी, आईआईएम, एनआईटी, आईआईआईटी, सीएफटीआई, आईआईएसईआर, आईआईएससी, एसपीए के अन्य प्रतिनिधियों और उच्चतर शिक्षा विभाग के अधिकारियों के साथ एक बैठक आयोजित की गई। उच्च शिक्षण संस्थानों से अनुरोध किया गया कि वे छात्रों को भारतीय अंतरिक्ष हैकाथॉन, इसरो रोबोटिक्स चैलेंज और जोनल स्तर पर विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करें। वर्चुअल रूप से आयोजित बैठक में 200 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया।

(vii) राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) ने जुलाई, 2024 माह के दौरान निम्नलिखित तीन प्रमुख परीक्षाएं आयोजित कीं।

क) दिनांक 6 जुलाई, 2024 को 40,123 उम्मीदवारों के लिए कंप्यूटर आधारित परीक्षा (सीबीटी) मोड में अखिल भारतीय आयुष स्नातकोत्तर प्रवेश परीक्षा (एआईएपीजीईटी-2024) का आयोजन किया गया। यह परीक्षा देश भर के 100 शहरों में 211 केंद्रों पर आयोजित की गई।

ख) शैक्षणिक सत्र 2024-25 के लिए आईआईटी, एनआईटी, आरआईई और सरकारी कॉलेजों सहित चयनित केंद्रीय/राज्य विश्वविद्यालयों/संस्थानों में 4 वर्षीय एकीकृत शिक्षक शिक्षा कार्यक्रम (आईटीईपी) में प्रवेश हेतु राष्ट्रीय सामान्य प्रवेश परीक्षा (एनसीईटी) 2024 दिनांक 10 जुलाई 2024 को आयोजित की जाएगी। यह परीक्षा 170 शहरों के 292 केंद्रों पर 40,223 अभ्यर्थियों के लिए आयोजित की गई थी।

ग) संयुक्त केंद्रीय वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान- विश्वविद्यालय अनुदान आयोग राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (संयुक्त सीएसआईआर-यूजीसी नेट जुलाई 2024) दिनांक 25, 26 और 27 जुलाई, 2024 को देश भर के 187 शहरों में स्थित 348 परीक्षा केंद्रों पर 2,25,335 उम्मीदवारों के लिए कंप्यूटर आधारित टेस्ट (सीबीटी) मोड में आयोजित की जाएगी।

(viii) एनटीए की संरचना और कार्यप्रणाली की समीक्षा हेतु गठित डॉ. के. राधाकृष्ण समिति ने जुलाई, 2024 माह के दौरान विभिन्न हितधारकों के साथ नई दिल्ली में छह बैठकें कीं। इसमें अधिकारी, शिक्षाविद्, छात्र प्रतिनिधि, प्रौद्योगिकी कंपनियों के प्रतिनिधि आदि शामिल थे। समिति को दिनांक 30 सितम्बर, 2024 तक मंत्रालय को अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करनी है।

***